

असाधान्स EXTRACPINARS

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से शकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩. 826] No. 826] नई बिल्ली, मगंलवार, अक्तूबर 9, 1990/शक 30, 1912

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 9, 1993/BHADRA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप भा रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मं<mark>वालय</mark>

(राजस्व विभाग)

ग्रधिम्बना

नई दिल्ली, 9 श्रक्तूबर, 1990 स. 38/9(⊢केन्द्रीय अत्पाद श्रुक्त (एन टी)

ना.का.नि. 826(ग्र) :--केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रधा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद गुरुक और नमक ग्रीधिनयम, 1944 (1944 का 1) के प्रधीन उत्पाद-गुरुक के उद्ग्रहण की बाबन (जिसके प्रन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधाःणतया प्रचिवत थी, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क टैरिफ यधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपणीप सं. 3920.32 के अन्तर्गत आने वाले टेपों/पाट्टियों पर जिनकी एकमाल रूप से खपत उक्त अधिनियम के उपणीप सं. 5607.90 के अन्तर्गत आने वाले रम्मों के विनिर्भाण में होती है, उत्पाद णुल्क प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन, 1 मार्च 1987 की आरम होने वाली अविधि के दौरान उदमहीन नहीं किया जा रहा था ;

और ऐसे टेपो/पट्टियो पर विजेष उत्पाद जुन्क भी, ऐसे जुन्क के **उद्ग्रहण** से संबंधित सुमगत विधि के अधीन पृत्रक्ति श्रविध के दौराग उद्गृहीत नहीं किया **जा रहा था** ;

न्नतः, त्रब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित ग्रिधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त णिक्ता का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे टेपों/पिट्ट्यां वर, यथास्थिति, प्रथम वर्णित ग्रिधिनियम की धारा 3 के ग्रिधीन या उक्त विधि के ग्रिधीन संदेय कार्ण उत्पाद शुक्क, और विशेष उत्पाद शुक्क, ऐसे टेपों/पिट्ट्यां की बाबत संदाद किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्ता उत्पाद शुक्क और विशेष उत्पाद शुक्क उक्त प्रथा के ग्रिन्थां प्रदेशित ग्रियों के दीनान उद्यहीन नहीं किया जा रहा था।

[फा. सं. 93/38/89-के.उ.शु.-3] सी. कर्तानी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTFICATION

New Delhi, the 9th October, 1990

No. 38|90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

GSR, 826(E).—Wherea the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on tapes strips falling under sub-heading No. 3020.32 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and contively con used in the manufacture of ropes falling under sub-heading No. 5607.90 of the said Act, was not being levied under section 3 of the first-mentioned Act, during the period commencing on the 1st day of March, 1987 and ending with the 31st day of May, 1989;

And whereas the special duty of excise on such tapes|strips was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby direct, that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under section 3 of the first-mentioned Act, or, as the case may be, under the said law on such tape [strips, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such tapes[strips on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 93]38[89-CX.3]

Sd -

C. KAKALONI, Dy. Secy.